Title: Need to introduce 'Kisan Pension Scheme' for farmers in the country.

श्री शिशुपाल एन. पाटले : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, उसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। भारत कृषि प्रधान देश के नाम से माना जाता है। माननीय श्री लालबहादुर शास्त्री जी ने जय जवान- जय किसान का नारा लगाया था। बड़ी खुशी की बात है कि देश के जवानों के लिए यह विशाल बजट है। जहां धन उपलब्ध कराया जाता है, पेंशन योजनाएं भी लागू हैं, वहीं हम देखते हैं कि जय किसान, यानी हमारा किसान अपनी गरीबी, बदहाली के कारण आत्महत्या करने को मजबूर है। इस कारण हमारा जय जवान- जय किसान का नारा अधूरा रह गया है। हमारा कृषि पर आधारित देश है, लेकिन यहां सिंचाई की ठीक से व्यवस्था नहीं है। हमारा किसान आधुनिक खेती से कोसों दूर है।

महोदय, छोटा किसान दो-चार हैक्टेयर जमीन का मालिक है और वह 12 महीने कर्ज में डूबा रहता है। परिवार का भरण-पोषण, बच्चों की शिक्षा, जीवन चलाना उसे मुश्किल लग रहा है। वे कर्जदार हो जाते हैं। देश में आत्महत्या करने वालों की संख्या, किसानों की संख्या दिनोदिन बढ़ती जा रही है। वह पूरी जिदंगी संर्घा करते-करते मर जाता है और वृद्धावस्था में भिखारी की जिंदगी जीने को मजबूर हो जाता है।

अध्यक्ष महोदय, फौज के जवान, सरकारी-अर्द्ध सरकारी कर्मचारी, शिक्षक, भूमिहीन मजदूर, कामगार और असंगठित कामगार, यानी हर वर्ग के लिए पेंशन योजना लागू की गई है और जीवन भर अनाज पैदा करने वाले, जीवन देने वाले, राष्ट्र की अर्थव्यवस्था के विशे अंग हमारे किसान भाईयों को पेंशन योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। खुद भूखा रह कर हमारा पेट भरने वाला किसान बुढ़ापे में भिखारी की जिन्दगी जी रहा है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपने बहुत अच्छा मुद्दा उठाया है, उन्होंने आपकी बात सुन ली है।

श्री शिशुपाल एन. पाटले : अध्यक्ष महोदय, किसान पेंशन योजना, किसानों के लिए उनके बुढ़ापे में भी स्वाभिमान से जीने का मौका दे सकती है। इसलिए मैं सरकार को सुझाव देता हूं और विनती करता हूं कि देश के छोटे किसानों हेतु किसान पेंशन योजना लागू की जाए।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri S.P.Y. Reddy - not present.

ले. कर्नल (सेवानिवृत्त) मानवेन्द्र शाह (टिहरी गढ़वाल) : अध्यक्ष महोदय, हमें भी दो मिनट बोलने का समय दीजिए।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Lt. Col. (Retd.) Manabendra Shah, you are not getting it certainly; I will not give you a chance to speak.